(iii) No landing charges are levied for the launches.

(iv) Subvention to meet the operational and maintenance cost.

(b) At present, yes, Sir.

(c) Hangar facilities, wherever available, are given on nominal rent.

राजस्थान में जिप्सम के निक्षेप

4774. **श्री दौलतराम सारण :** क्या **इस्पात और खान** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) राजस्थान में जिप्सम वाले क्षेत्रों के नाम क्या है और इसके निक्षेपों की कितनी मात्रा का अनुमान लगाया गया है ;

(ख) राजस्थान में किन-किन स्थानों में जिप्सम निकाला गया है और इसकी कितनी मात्रा निकाली गई है ;

(ग) किस प्रयोजन के लिए जिप्सम का उपयोग किया गया है और इसकी कितनी मात्रा राजस्थान से बाहर भेजी गई थी और यह किन-किन स्थानों को भेजी गई है ; और

(घ) क्या यह सच है कि हनुमानगढ़ में जिप्सम पर आधारित उर्वरक कारखाने की स्थापना के लिए राजस्थान सरकार ने इस के लिए भूमि और भाखड़ा से 25 मैगावाट पावर आरक्षित की थी जो बाद में डी० सी० एम० कोटाको आवंटित की गई ?

वाणिज्य तथा इस्पात और खान मंत्री (श्री प्रणव मुखर्जी) : (क) राजस्थान में जिप्सम वाले क्षेत्रों के नाम और उनके निक्षेपों की मात्रा के बारे में एक विवरण सभा पटल पर रखा गया। [**देखिए संख्याएल० टी० — 1110 80**] ।

(ख) वर्ष 1979 में निकाले गए जिप्सम की मात्रा और स्थानों के नामों का विवरण सभा पटल पर रखा गया। [**देखिए संख्या एल०टी०- 1110/80**] ।

(ग) जिप्सम का उपयोग मुख्यत: सीमेंट उद्योग, उर्वरकों में, क्षारीय मिट्टी को उपजाऊ बनाने में तथा प्लास्टर आफ पेरिस आदि में होता है । राजस्थान में प्राप्त जिप्सम मुख्यत: उत्तर प्रदेश, गुजरात, पंजाब, हरियाणा, बिहार आदि प्रदेशों में विभिन्न स्थानों को सीमेंट कारखानों तथा भूमि को उपजाऊ बनाने और अन्य कार्यों के लिए भेजा जाता है । राजस्थान के बाहर भेजे गए जिप्सम की मात्रा और उन स्थानों के नाम, जहां जिप्सम भेजा गया, संलग्न अनुबन्ध—3 में दिए गए हैं ।

(घ) प्रारम्भ में, राजस्थान में हनुमानगढ़ में जिप्सम पर आधारित उर्वरक कारखाना लगाने की योजना थी । लेकिन बाद में तकनीकी दृष्टि से विचार करने पर यह राय बनी कि सल्फेट उर्वरक अनावश्यक था । अत: हनुमानगढ़ में उर्वरक कारखाने की योजना रद्द कर दी गई । डी० सी० एम० के कोटा स्थित कैलशियम कारबाइड और पी० वी० सी० कारखाने के लिए भाखड़ा पावर (उत्तरी राजस्थान में) उपयोग का प्रश्न ही नहीं था ।

राजस्थान में खनिजों के लिए सर्वेक्षण

4775. **श्री दौलतराम सारण :** क्या **इस्पात और खान** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) राजस्थान में जो खनिज निकाले जाते हैं उनके मात्रा-वार नाम क्या हैं तथा उनसे कितनी वार्षिक आय होती है ;

(ख) उन खनिजों के नाम क्या हैं जो खनिजों पर आधारित उद्योग लगाने के लिए उपयुक्त है तथा किन-किन खनिजों के आधार पर उद्योग विद्यमान है; और

(ग) उनमें से किन-किन खनिजों को खान से निकालने और सरकारी क्षेत्र में औद्योगिक प्रयोजनों के लिए उपयोग में लाने का विचार है ?

वाणिज्य तथा इस्पात और खान मंत्री (श्री प्रणव मुखर्जी): (क) निकाले गए खनिजों के मात्रा-वार नाम संलग्न विवरण में है । इन खनिजों से 1978-79 में रायल्टी से 9.00 करोड़ रुपये की वार्षिक आय हुई । उस वर्ष में राक फास्फेट की बिक्री से 16.10 करोड़ रुपये की आय हुई ।

(ख) खनिज-आधारित उद्योगों के लिए उपयुक्त सक्षम खनिज हैं :—सीसा, जस्ता, तांबा-अयस्क, चूना पत्थर, रॉक फास्फेट, एस्बेस्टस, घियापत्थर, जिप्सम, काच रेत, फ्लूराइट, बैराइट्स मिट्टी, बेंटोनाइट, मुलतानी मिट्टी आदि । उन खनिजों के नाम, जिन पर इस समय उद्योग चल रहे है, निम्नलिखित है —मिट्टी, काच रेत, क्वार्ट्ज और क्वार्टजाइट, चूनापत्थर, बैराइट्स, रॉक फास्फेट, बेंटोनाइट और मुलतानी मिट्टी, जिप्सम, एस्बेस्टस, घियापत्थर, पाइरोफिल्लाइट, रक्तमणि । गोमेद, आधार धातु, सीसा, जस्ता, तांबा अयस्क, फेलस्पार, अभ्रक, संगमरमर, रक्तमणि, स्लेट, चूनापत्थर, कैलसाइट, वोलेस्टोनाइट, फ्लूराइट, डोलोमाइट, सिलिकामय मिट्टी और पाइराइट ।

(ग) सरकारी क्षेत्र में पहले से निकाले जा रहे महत्वपूर्ण खनिज हैं :—आधार धातुएं (सीसा-जस्ता-तांबा) टंगस्टन, रॉक फास्फेट, फ्लूराइट, बैराइट, ग्रेनाइट, स्लेट, बेंटोनाइट (बढ़िया किस्म), पाइराइट आदि । नए निक्षेपों में भी इन खनिजों का खनन सरकारी क्षेत्र में जारी रहेगा । इसके अलावा लिग्नाइट का खनन और उपयोग भी सरकारी क्षेत्र में करने का प्रस्ताव है ।